

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥
विनोक्तुं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥
दुष्टं कुरुष्व भगवन् नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वानी पश्ये ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥
पिबताति ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥
जया विष्णवे नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाचं ध्यात्वा नमस्कृत्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥

शः २

पञ्चाशत्तिसिद्धिर्गोत्रवर्ति नष्टदेवंतदात्मनिर्माणा नोष्ट्रप्रदं सन्मनिर्गन्तुं नान्नपन्नमप्यतद्वर्जं गन्धार्थां विनामवेष्टुनाद्येष्टां जायते
 ह्यजिबुर्मा १ निवर्जनिमयान्प्राक्कमुमाद्वर्तुं नान्नपन्नमप्यतद्वर्जं गन्धार्थां विनामवेष्टुनाद्येष्टां जायते
 ब्रह्मविद्यायाः १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १
 नद्धाथप्रतिपादकाः १ निवर्जनिमयान्प्राक्कमुमाद्वर्तुं नान्नपन्नमप्यतद्वर्जं गन्धार्थां विनामवेष्टुनाद्येष्टां जायते
 वः १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १
 नि विन्दुः १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १
 उक्तं १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १ अकारादिविनिर्माणा १

(कषा)

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथवा निबोधकादयः शब्दा आकाशेनेति ह्यक्षरवाग्यादिनीमज्जुज्जः अनन्तानन्तानीश्वरविद्यायाद
 नीमतेति विद्याप्रकाशिनीयनात् अथवा निबोधकादयः शब्दा आकाशेनेति ह्यक्षरवाग्यादिनीमज्जुज्जः अनन्तानन्तानीश्वरविद्यायाद
 दावेकावस्थापनबोधीजमाथातनमः शब्दविदीवितेलादो नमः पदमष्टपञ्चिपदार्थताप्रतिपादनात् एकावेन एतथैकव
 ॐ नेर्देवान्मोक्षिष उकारानोपात्त प्रतविर्तनकसपेना उद्दिष्टादिनन्दार्थनतेदेवमिनादेः प्रादिपदिहमावस्था
 नूतना वायेनकिमिष्टहृददानेष्टममर्थानर्थो ज्ञेयः यतः शिव्यानिमामर्थान्तवती अतोहेतोम्वान्तुस्तुतर्मा अ
 कृतप्रचोः प्रपाज्जितशक्ततः कर्माप्रतवतिममर्थोतवति नकेवर्नपथः दृष्टान्तवतिममपिबोधकादयः शब्दा आकाशेनेति ह्यक्षरवाग्यादिनीमज्जुज्जः अनन्तानन्तानीश्वरविद्यायाद
 विविहृणादितिवापविष्टुनिबोधकादिविद्यवावायां ममर्षनीयामिनर्थः पापादिह्यक्षराज्जिप्रायतवायोजनीयमिदं पदं यथाशक्तीयाहे अतस्तु

३:३

[illegible]

महाविप्रश्चन्द्रमाम्बुमेखनमृतयुक्तरि मंगोपनाशथाद्यानजानाकुर्वीतकामेन नोऽजातिहेयं यद्वागिवपदेन ककावनकपुहकावयेकोऽपजिपदे
नडाकावकावमकावमावादीजानि प्रजिह्वं पथदपीमकपपजाहीकुं अथवेकोमाया डिपप्रकपपजायज्जातिप्रतिवथामुमेवाथमाह यद्वागिहोणापना
कुदगाहकप्रप गज्यापथदथा अकुदगाहकप्रपनेकपादानो पथदपीमकपपमलोकेकहाटदानेनतले सुन्दरीमोपानमा
जादवादितीहाहमप्र अथवा गिवपदेनोऽकुदयविकानतठ मुयं गजिपदेनावावामुथजिकोनपथदमुदते उडयमिनिह्वी
छर्जं यद्वाहं छर्जिप्रगिवदकोषगजिह्वेयपथदतिप्रगिवपा- ज्यामकहेयथीह्वीगिवयाद्विप्रविति प्रजिह्वंमुदयादिकुंथी
छादेवमुद्विमुद्विनिह्वितयोऽवतीनागामिनप्र उहर्जं कामिके ह्यामुडमीममेदोद्विवातवप्रगजिह्वनकाऽमडकुडप्रगजिविवातवप्रगिवह्वनकाऽ
नववातवयदेहानवयोनिममुद्विजति नवयोनिप्रथीह्वी अथवा गिवप्रगिवमुद्विह्वनकननाविप्रिउठ गज्यामनावावथपिउकाउनिवाप्रजिह्वं प्र

२४

नमोऽसिद्धामकनजीवाहकेशपादयितुं मन्दित्रं गवमिद्धिमपिष्ठापुमिर्थात् ॥ अथ कदाचिदाद्यानतिष्ठं प्रकृपाकृष्टयिहा ॥ वेकनादमनाबमुद
 क्रयोद्विगंजादितित्तुवाजठना० श्रीनावेनोक्तुजातार्नाकामोन्मादेकहेतवे ॥ वीपीधवंकृष्टदेहैकवापवेयतिमहाकानमहिताठनादु कृष्टा-
 व्यापिकानायनीकपत्यातरपवतयापिबर्षाहामुष्टि ॥ ॥ ननुमीमांमकादिमतेज्जाकृष्टीप्रवद्यातावाभिद्धिनीयेयंतु
 डिदिनागकीपनयनाथंतावपहमति निवडाति अप्रमयिद्यायां यातिाहुतीतिपियथ पीडंमप्रेवागतिान्ननयोविज्याउतांनि
 एनरुगिरुगद्वेवाहय० मायापहितेन्यमोवेप्रवृत्ति नि वडाप्रवृष्टपक्षादवीवेनयदिहकृष्टम्यातदाप्रवृत्तिंमृष्ट्यादिकृष्ट
 पक्षपक्ष्या० तथा०८ दिनादिकंमकृष्टकंकायह्य० वटवेदिनश्चमार्ततदावेदकमपान्ते पक्षीउवाहोपावेवनेनजिष्टानडेवेदीवीवयाजानकेतुदाम्
 दिष्टं प्रयत्नाद्यापयतिविज्यापिनक्षत्रनक्षत्रमष्ट पक्षीवयातिहेकन प्रयत्नादेवपक्षपक्षे निनप्रयत्नादोमानातावा० अतोह्यजेम्वीप्रवृत्तिंमोहम्वी

अकृतप्रचोमीमांमकादिष्टकृष्टं प्रवृत्ति ममार्थेवति आदिम्याय मर्त्यावनेवा हविहविविथतादिजिवाप वक्तुगिब्रह्मादिजिवाप आवाधम
 मर्हनीयहे गतितापरमर्त्यावन हविपदेनपेषकापोविद्धुवेवयोह्यते ॥ २ ॥ ननुविविथतादेवमृष्टिकृष्टनेनप्रवृद्धमतकृष्टीतदावाथ
 हंममेतत आरु तनीयाममिति तनीयामिह्यमं तवठवन पाकृष्टकृष्टवंपदार्कजोद्धतंपांउं पथप्रवृत्तवडाप्रकनं
 विविथिह्यका मंतिप्रवेकीकृष्टन लोकान एतदुपउवना नि अहिकर्तमामयीवेकन्यविति यथा आतथा विवृयति
 मृजति एनपांउं हतदुपउवनतयापविनतं लोविष्टपेषक पथ गिरमांमहमेन कनामहमेन कथामपिकृष्टुनवृति
 विजति हवृष्टमहता एनपांउं हतदुपउवनतयापविनतं मंदिह्यदुष्टीकृष्टमिहो ह्वननविविंउमामानंउकतिकयाति अतथव आनिविति
 उमावायवितिउमा जनमितिउमा सुनमितिउमा मर्ह ह्या गदंउमा मनशतानिह्यंमिउमानीतिउमामाननानुह्यहतादीनंउमाहोतिविति

২৬

বিষ্ণুপক্ষাখ্যা তবানীপাক্ষেণ্ড প্রদ্বন্দ্বো কেন্দ্রস্থানুযম্যানিহরমাপেক্ষতেতি হবিহরবিবিশ্রুতাদিত্যব্যাখ্যা মিননেনোক্ত মাচকনপ্রকারে
 নেলাপক্ষাখ্যামাহ তনীয়ামিতি - চব্বাশ্বাষা ওকুদেমিশনিহনাখ্যাঃ সত্রপথানওকুৎ বজ্রপথানবজ্রতমপ্রথানামিশঃ তনাজীতো
 নিহানঃ ওকুদজযোবাজাচক মিশুযুদ্রকমল নিহানঃ সমহুদনমুর্ন ওকুদিসুদ্রবজ্রকমল মিশুযুদ্র নিহানে
 মদাগবঃ তথাচ বজ্রচবনপক্ষিহুপাঁও বজোপুতমীচিন্ ব্রিহিহিঃনোকানমুজতি শুকুচবনপক্ষিহুপাঁও মদ্রকনমীচি
 প্রসিদ্ধবতি মিশবনপক্ষিহুপাঁও তনোপুতমীচিন্ হবর্মীহতি তবজ দত্তাভেদেণ সমখ্যাণা বিবিশ্রুতববজ
 ওকুদোপানোবজোমনপুতৌ তনমেসমানো ১মুদ্রি মুতীহিতবতো দ্বাদশদ্বিতীয়মভিযুজানহতি বিব্রদ্রদ্রাশ্বাঃ ৭ ওকুদুবাশ্বচবন নিহনা-
 বিবোঃ মান্দামুতীপদপদেমততনমামীতি ৥ ২ ॥ প্রজুদবিদানব্রহ্মকাজীহিনাশ্বাকথ্যমসুতিবকাখ্যা তথাশ্রুতিকৃত্যাবদ্রকানমাখত্যা
 ৩৪

অস্টা তিষ্ঠন্ত প্রপ্যাজকহাঃ মোহিনীমুত্তে পিরকোতকত্যাচতোপ্রতিমকবহাদিনাগয়াঃ ৭ উদ্রুখ্যামনিবপবাদনপর্যমদানমরপশুপাঁওপাঁওপ
 মেজবব্রবিহ্বপৌষাদধানক্রিবেঃ ৭ গোপীণা পপবীকৃতমকতবোমুনেমুত্তিহা বিনস্কীবেয়মানি মযনোজনমমুদ্রকুত্তে মনদ্রমিতি মনদ্রীণোপা
 নখ্যানাভিপ্রায়েন বেদমঙ্গলমীয় ৥ ৭ ৥ সুখা মিকোবিত্তি ৥ সুখামিখোবমুত্তাক্ষে মযে সুববিত্তে পিনাকনকদ্রুফান্যা
 বাষ্ঠীত্যা পবিত্রতে যেম্বিতে মনিহীপেববরনবচিত্তীপেনীপো পবনবতি কদ্রাবামবমনীযে দ্বিত্তামানিগুহে দ্বিত্তামানি
 চিত্তবরনকদ্রমুদ্রাদিগজমদিদ্রে নিহাক্ষা বেমথোঃ নিহানঃকদ্র বিষ্ণুরুদ্রশানানাক্ষা বোমুত্তিযুক্তাদ্রপমথোঃ খদ্রাকপে
 পরমাণবঃ মদাগবঃ পদ্রকিষকপিপুত্যা মুত্তঃ তম্মিন নিহয়াঃ মদানিযম্মী একাবিষ্ণুশকদ্রবঃ প্রব্রমদাগবঃ ৭ ওকুদপঃ মদাপ্রো
 পাদমুনেচ্যমুত্তিগজিত্তবনাঃ ১ বিবক্যাবমুনতিকোন পমাদবোবিন্দুঃ ৭ চিত্তাকুত্তিযিকোনমব) নিহয়ামিনঃজানপিবদতি ৭ ওকুদী
 ৪

২৯

হাঁকতিচনখ্যাওপশ্চিমজাননসমবতি ৷ তৎকর্তৃকদযামনে যস্থানোপশ্চিমজাননসময্যামনেথবঃ ৷ মনপ্রাপ্তো ৷ ত্রিপদ্যং দণপথঃ ৷ কবীমিমামিতি ৷ কী
 হুগী ৷ চিদানন্দনহরী ৷ বিজ্ঞানসুখতবদীরিমিকামিনথঃ ৷ মৃদুসিদ্ধমুখামিকুমোতাথ্যমুখবাটিকা ৷ দণা ৷ কবদ্যাংবনদ্বীপীপবনমুখা ৷ চিন্তামানমুখ
 বস্তুমধুবাঁপবনমুখা ৷ বিকোণমথঃ ৷ পদন্তুবিদ্বৎকর্তৃকদগিবঃ ৷
 চুফঃ ৷ হুধাকপোমনিবেরদ্বীপোযতনীপোপবনওজানও চিত্তেব
 পিথোবিদ্বৎ ৷ চিদানন্দনহরী ৷ মর্দেযানানন্দানামিনাদিৎকর্তৃকপা
 নীপোপবনেতিদ্বন্দ্ববনেপিত্তমদ্বাও ৷ মোন্দুয়াতিপাযনপিবনথ্য ৷ কাষয়তীতিপিত্তাকাবেকন্যাতকপেবা ৷ মর্দেযবনমর্দেয়া ৷ চুপদনগিব ৷ পামকন্যাতক
 প ৷ পদ্যকিনিনয়া ৷ চিদানন্দনহরীকর্তৃক ৷ হাঁকতিচনধ্বকষাতজতীনথঃ ৷ ৫ ৷ কবকার্থালাদিনামুখ্যন ৷ চিদানন্দনহরীমিনেননপর্যায়নমুখ্যমুখ্য

নামি অপিত্তবদনোপিদেবজানঃ ৷ পানশ্যামতযবদঃ ৷ ওতবতামাশ্যোপিবেনকর্তৃক ৷ ততোজাযনাজানা ৷ জ্যাদিলাদি ৷ অথবা ৷ পানশ্যামতযবদঃ ৷ বদ
 হাঁকদ্যবে ৷ পুতীযমানোদেবজানঃ ৷ হমেবেকানামি ৷ অপিত্তবদনকীদুগীর্ষ ৷ প্রকটিতববা ৷ জীনতিনয়া ৷ তথাপি ৷ জ্যামাও ৷ বাপু ৷ মমবিক্রফনন্দত ৷ তবতযনাবে
 বহুতবনোদেবপিত্তৌগবনিব্বনাবিলব্বয়ঃ ৷ বিদ্বৎপক্ষে ৷ বদ
 জীনতিনয়া ৷ ওকালারীর্ষনামি ৷ অপিত্তবদনকীদুগীর্ষ ৷ প্রকটিতববা ৷ জীনতিনয়া ৷ তথাপি ৷ জ্যামাও ৷ বাপু ৷ মমবিক্রফনন্দত ৷ তবতযনাবে
 নিব্বনো ৷ গমনায়ে ৷ ওনোকান ৷ কামেকুণিবক্কফাণ ৷ গবত্বেগ
 মাদিবাওকহেনোজবাতি ৷ ৫ ৷ ৷ মমপ্রভববহুতবদনত ৷ হুহিবিতি ৷ প্রবা ৷ অমৃতনথানানন্তব ৷ ইবিদ্বিৎকর্তৃক ৷ পূনতজনকীতা ৷ জননীমাঝা
 নাবহুহা ৷ মোহিনীকর্তৃক ৷ বিখ্যাসমবহুসমপিহেনতমদন ৷ ধীনমনয ৷ যেনমাবো ৷ পিত্তমী ৷ হুতব ৷ ম্যমদন ৷ বানত ৷ প্রমা ৷ দেনেব ৷ অথথা ৷ হমতা ৷ বিতমোবতি

২৭

তাবৎ যদা হু প্রবক্তনমোগাথজনবিত্ত্বাংকাকুপাংদামায়াথনবয়ঃ স্যাবোথনেবৈপ্রকায়েনহামায়াথবদ্বাখীয়েন মহতং বনীনামনুন্মোহাযপ্রবতী
 লন্যাপ বদ্বাখীকৃতপনবজিনাননেহেন বতিপ্রকামসুতিন্য়নাস্থানাস্থাদনী যেনঅতিসুন্দবেনেনার্থঃ তদুজংবামকেপ্রবতলে ওভামেবপ্রবাত্যাহাবিশীর্ষোতোহ
 মোহিনী ৷ তেনোতোমোহ্যামামকামাবিত্ত্বাংকানুহিপ্রকামদে
 থামন্দবগতি ৷ তেনিযীযশতিবাদ জনকোবেদেহুপ্রাহোবাহ
 কামঃ প্রাহোবাহেপ্রাহোবাহামকোপ্রহদগাংকানুহিমল্লুদগা
 ৷ বিকৃপক্ষে হবিবিল্লুগোতমগাপানবুর্হামায়াথ প্রাবতনমোগাথজননীংকারী ৷ তথ্যামবহুভমালিপ্রোক্তবিস্ময়মনযত প্রাপযামামে
 লার্থঃ ৷ শেষমমান ৷ ৩ ৷ নবপ্রবয়মানাবীকর্ণনাস্থায়াপ্রবকপাংহনমা প্রদ্যজনকমিত্ত্ববততমমপ্রমাদাপযো ৷ ৪ ৷ কন্দর্পন্যতমনিমোহকুহু স্মমা

মণীমপালৈবতবিস্ময়ীলতআহ বদ্বাখীকৃতমিতি তথ্যাহতদীযামামথোবনেহুগীভিভাবঃ বদ্বাখীকৃতপময়ং স্মদমাং নবজোপমমিলার্থঃ মো
 দ্বীজ্যামধুকবময়ী ৷ মধুকবাণামাকুর্ষণাদিকানে হুপ্রমিনেনছোলতে বিপিখাযাণাঃ পথেবনহুপ্রিকাঃ বসন্তপ্রবতপ্রকাদাচিরুপ্র মামনুপ্রমা
 হ্যাপ মনযমবত দক্ষিণানিনপ্রমদ্যামনঃ প্রাযোকনবথঃ
 দ্বীপ্রবীবেণাপিপ্রহুঃ তথ্যাপিহুহিমগিবিমুতে ত্ততবাপা
 জাত মসাববতিপ্রানমসুহবিজয়ভালার্থঃ ৷ বিকৃপক্ষে দ্বী
 যত ওপ্রকামঃ কুপ্রমাথে যাহুগী ৷ ত্যাবতপ্রপামামাধ্যকামোজাদ্বীকবেতি তদুপ্রপা ৷ বিধাযগুহুয়া তদাহমবিকার্তবীকুদ্যামিলাপযোনতাহুপ্রকো
 তিনাপ্রোভাবলজালপযঃ যদা হিমগিবিদ্বত্যা বিকৃপকামোহুয়া নবপ্রমায়তঃ ৩ ৷ মধোনিমুপাংদ্বীবিধযকাভিগাথজননপজিপ্রকামহ্যতাবরুপাতবে

श्री २३

डाकिनी २२ आनन्द ४ वरुडाकिनी १४ प्रजानन्द ४ अङ्गाकिनी २६ योगानन्द ४ पद्माङ्गाकिनी २६ अङ्गी ४ अङ्गाकिनी २० आनन्द ४ पद्माङ्गाकिनी २२ यो
 नाप्रवृत्त ४३ १४ पीठे प्रवृत्त को गना २३ अनकोने प्रवृत्त पावनी २६ अङ्ग प्रवृत्त समया ४० पीठे प्रवृत्त कामा ४२ अनन्द ४ वेदती ४४ अङ्गी ४ अङ्गा
 पिङ्गीन ४ कवाना ४६ मदा २४ अङ्गाकिनी ३० कवाना विष्णु ४४
 विद्या ४६ मेन ४ अङ्गाकिनी ३० समय ४ अङ्गाकिनी ३० १७३
 नेष्टुर्क प्रवृत्त ३ पद्माङ्गाकिनी ३ पद्माङ्गाकिनी ३ पद्माङ्गाकिनी ३ पद्माङ्गाकिनी ३
 श्री ॥ अथवा यद्यमवी ४ यद्य ॥ अथवा यद्यमवी ४ यद्य ॥ अथवा यद्यमवी ४ यद्य ॥ अथवा यद्यमवी ४ यद्य ॥
 नीता २४ विद्या ४ अङ्गाकिनी ३० कानिक ४ मेनकी ४ अङ्गाकिनी २० यामाङ्गाकिनी २० यामाङ्गाकिनी २० यामाङ्गाकिनी २० यामाङ्गाकिनी २०

डाकिनी २० आवावे ४ यामा २२ अङ्गी ४ विष्णु २४ अङ्गाकिनी २३ ममययी ४ अङ्गाकिनी २६ अङ्गी ४ अङ्गाकिनी २० अङ्गाकिनी २० अङ्गाकिनी २०
 यद्य ४४ यमवी ४ यमवी ४६ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४
 प्रिमादि प्रवृत्त ४ अङ्गी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४
 पद्माङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४
 अथना ४ यमवी ॥ अथवा यद्यमवी ४ यद्य ॥ अथवा यद्यमवी ४ यद्य ॥ अथवा यद्यमवी ४ यद्य ॥ अथवा यद्यमवी ४ यद्य ॥
 यद्य ४ यमवी ४ यमवी ४६ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४ अङ्गाकिनी ४
 नङ्गाकिनी २६ मदाङ्गाकिनी २० अङ्गाकिनी २० अङ्गाकिनी २० अङ्गाकिनी २० अङ्गाकिनी २० अङ्गाकिनी २० अङ्गाकिनी २०

३२६

[illegible][illegible]

অথ গজেন্দ্রমোক্ষনামসংগ্ৰহঃ ১০০ অঙ্কঃ ১০০০ শ্লোকঃ ১০০০

২১৭

নিনা নিন ১৪ নীনপতাকা নীনপতাক ১৬ ক্রিয়া ক্রিয়া ১৮ মধুমক্ষীনা মধুমক্ষীনা ২০ জ্ঞানামানিনী জ্ঞানামানী ২২ মহানিনামানিন ২৪ পরামেশ্বরী পর
মেশ্বর ২৬ মিত্রীগময়ী মিত্রীগময় ২৮ স্বপ্তীগময়ী স্বপ্তীগময় ৩০ উদ্ভীগময়ী উদ্ভীগময় ৩২ অ্যানাথাময়ী অ্যানাথাময় ৩৪ ॥ এতৎপাণ্ডিত্যময় ৩৬ ॥
অথান্যময় ৩৮ নোপাশ্রয়াময়ী নোপাশ্রয়াময় ৪০ আগ্রাসাময়ী
অগ্রাসাময় ৪২ কন্যাপনাময়ী কন্যাপনাময় ৪৪ স্বর্গাচার্যময়ী স্বর্গাচার্য
ময় ৪৬ দীপকনানাময়ী দীপকনানাময় ৪৮ বিষ্ণুদেবময়ী বিষ্ণুদেবময় ৫০ প্রজাকরদেবম
য়ী প্রজাকরদেবময় ৫২ তজোদেবময়ী তজোদেবময় ৫৪ মনো
রময়ী রমনদেবময় ৫৬ বাসুদেবময়ী বাসুদেবময় ৫৮ স্বামানন্দময়ী স্বামানন্দময় ৬০ অনিমামিহি বানমামিহি ৬২ নমিমামিহি নমিমামিহি ৬৪ ম
হিমামিহি মহিমামিহি ৬৬ গণিমামিহি গণিমামিহি ৬৮ বসিমামিহি বসিমামিহি ৭০ প্রাক্ষামিহি প্রাক্ষামিহি ৭২ জিমিমিহি জিমিমিহি ৭৪

গজেন্দ্রমোক্ষনামসংগ্ৰহঃ ১০০ অঙ্কঃ ১০০০ শ্লোকঃ ১০০০
অথান্যময় ৩৮ নোপাশ্রয়াময়ী নোপাশ্রয়াময় ৪০ আগ্রাসাময়ী
অগ্রাসাময় ৪২ কন্যাপনাময়ী কন্যাপনাময় ৪৪ স্বর্গাচার্যময়ী স্বর্গাচার্য
ময় ৪৬ দীপকনানাময়ী দীপকনানাময় ৪৮ বিষ্ণুদেবময়ী বিষ্ণুদেবময় ৫০ প্রজাকরদেবম
য়ী প্রজাকরদেবময় ৫২ তজোদেবময়ী তজোদেবময় ৫৪ মনো
রময়ী রমনদেবময় ৫৬ বাসুদেবময়ী বাসুদেবময় ৫৮ স্বামানন্দময়ী স্বামানন্দময় ৬০ অনিমামিহি বানমামিহি ৬২ নমিমামিহি নমিমামিহি ৬৪ ম
হিমামিহি মহিমামিহি ৬৬ গণিমামিহি গণিমামিহি ৬৮ বসিমামিহি বসিমামিহি ৭০ প্রাক্ষামিহি প্রাক্ষামিহি ৭২ জিমিমিহি জিমিমিহি ৭৪
১২
২০
২৪

২১০

কাকবৎসামিনী মধুসূক্তকবৎসামী ১৪ নিমিত্তযোগিনী নিমিত্তযোগী ১৬ বগিনী বগী ১৮ কামেশ্বরী কামেশ্বর ১০ মোহিনী মোহী ১২ হিমতা হিমত ১৪ অ
 বনা অবন ১৬ জয়িনী জয়ী ১৮ মধুসূক্তকবৎসামী মধুসূক্তক ১০ কৌতিনী কৌতী
 হৃৎকামী ১২ হৃৎযোগিনী হৃৎযোগী ১৪ যাননী যানী ১৬ চাপিনী
 বীমহাকামেশ্বর ১৮ মহাবজ্রেশ্বরী মহাবজ্রেশ্বর ২০ মহাতামানিনীম
 দ্বিপদকামামিনী মধুমিদ্ধিপদকামামী ২২ অতিবহ্মযোগিনী
 অমামিনী মধুনন্দময়কামামী ২৪ পদাপবহ্মযোগিনী পদাপবহ্মযোগী ২৬ ত্রিপুরা ত্রিপুর ২৮ ত্রিপুরেশ্বরী ত্রিপুরেশ্বর ৩০ ত্রিপুরসুন্দরী ত্রিপুর
 সুন্দর ৩২ ত্রিপুরামিনী ত্রিপুরামী ৩৪ ত্রিপুরাশী ত্রিপুরাশী ৪০ ত্রিপুরামানিনী ত্রিপুরামানী ৪২ ত্রিপুরামিদ্ধা ত্রিপুরামিদ্ধা ৪৪ ত্রিপুরামা ত্রিপুরাম ৪৬

মহা ত্রিপুরসুন্দরী মহা ত্রিপুরসুন্দর ৪৮ মহামাহেশ্বরী মহামাহেশ্বর ১০ মহামহাযাজী মহামহাযাজ ১২ মহাপতি মহাপতি ১৪ মহাপুত্রা মহাপুত্র ১৬
 মহামহাজুপ্ত মহামহাজুপ্ত ১৮ মহামহানন্দা মহামহানন্দ ২০ মহামন্দা মহামন্দ ২২ মহাপয়া মহাপয়া ২৪ ॥ জাতিমানমা ৪ ॥ জাতি অনেক প্রকারে
 সম্যক সাধু যামপরিমহা কৈতবদাদা স্কন্ধযা ১২ জগদ্বাস
 মিনম ১৩ জগদ্বাস ১৪ দক্ষিণতালো যামতামোশী মনমহাশী
 স্কন্ধনমাবকো বিজিতেন্দ্রিয় ১৫ যনযান্যাদ্বা বো বো পাণ্ডিত্যাদি
 যদ্ব আধাষাদি দ্বিহুজে আমিহুর্য়ামামা যম্মান তহাণেন বহুতবগতকিবনা ১৬ ফিতা দুদকে চমন্নি দ্বতাপেহ নিনে চমোডগা বিকপতাতনুযো গনো ১৭
 গর্বাদি বিনমমি ১৮ ষড়্ভুগদ বিকপতাতনুযো মোমম ১৯ তদ্বর্জ তেবরযামনে অকুতবগতবহুতবোডগা তবর্জ বো ১৮ ষড়্ভুগদ তেবরযামনে অকুতবগতবহুতবোডগা তবর্জ বো ১৮ ষড়্ভুগদ তেবরযামনে অকুতবগতবহুতবোডগা তবর্জ বো ১৮

३२०

[illegible]

वाणि० श्रीहरीति० विवि० वि० प्र० घ० ४ म० म० ल० सु० व० न० त० वा० ३ द्वि० या० ३ श्रीव० न० ह० वी० काम० व० म० प्र० वा० न० सु० ह० न० जी० वा० ति० र्था० य० प्रति० पा० द० का० ति० ४ यथा म० व० म० न० अ० का० न०
 दे० को० गृ० ह० सु० था० गृ० ह० र्था० ति० वि० न० र्था० ४ यद्वा अ० मी० मी० र्गं० बु० पु० न० म० व० म० न० अ० व० पु० न० वि० द० व० ति० ३ व० न० त० वा० न० अ० मी० प्र० व० र्था० ३ व० न० त० वा० म० म० सु० ह० वा० या० ३ श्रीव० न० ह० वी० ३ श्रीव० व० म० त० व० द्वि० ३
 श्रीवा० ति० वि० न० र्था० ॥ वि० द० प० प्र० ३ व० ति० द्वि० यि० अ० द० द्वि० वि० द० म० न० मी०
 न० ॥ २३ ॥ म० वि० वी० ति० वि० ति० ॥ ह० ह० न० नि० वा० ठं० म० वि० वी० ति० मी० द्वि० का०
 न० ह० न० म० नि० वि० न० र्था० ३ अ० द० ति० द्वि० त० ति० वा० या० ३ त० ह० ह० ति० ३ का० ति० मी०
 व० न० अ० यि० नी० म० ह० व० वी० को० ति० नी० ति० ३ म० ह० य० म० मी० म० ति० व० न० य० ति० म० म० ह० तं० का० ह० न० म० म० ह० का० ह० न० ३ क० र्त्त० ३ व० ति० के० ह० ह० ति० ३ की० ह० र्थे० ३ त० द्वि० म० त० न० न० नि० वि० व० न०
 वि० न० र्था० ३ त० ह० य० म० ति० ३ म० त० न० ३ लो० त० ने० ३ वा० ने० वी० व० द० न० क० म० न० मो० द० म० पु० वे० ३ म० व० म० ती० म० थ० व० वि० न० म० व० त० म० पु० वे० ह० ह० वि० न० र्था० ॥ वि० द० प० प्र० ३ व० न० अ० म० अ०

५२२

[illegible]

ਬਟੇ

दिमंजानामपविमहसावे निषण्णपविष्ठा मित्थः ॥ १ ॥ अहंकारादिमते गतितादिताहामकतायावाहतायना ॥ २ ॥ अहमेवाधुनादक्षेतायनामानुवानिका ॥ ३ ॥ अहना
 दिप्रकवक्ता ॥ ४ ॥ अहंकारादिमते गतितादिताहामकतायावाहतायना ॥ ५ ॥ अहमेवाधुनादक्षेतायनामानुवानिका ॥ ६ ॥ अहना
 कानने ॥ ७ ॥ अहंकारादिमते गतितादिताहामकतायावाहतायना ॥ ८ ॥ अहमेवाधुनादक्षेतायनामानुवानिका ॥ ९ ॥ अहना
 नीति ॥ १० ॥ अहंकारादिमते गतितादिताहामकतायावाहतायना ॥ ११ ॥ अहमेवाधुनादक्षेतायनामानुवानिका ॥ १२ ॥ अहना
 नंघावलोपायति ॥ १३ ॥ अहंकारादिमते गतितादिताहामकतायावाहतायना ॥ १४ ॥ अहमेवाधुनादक्षेतायनामानुवानिका ॥ १५ ॥ अहना
 यांमुते घनमुदते ॥ १६ ॥ अहंकारादिमते गतितादिताहामकतायावाहतायना ॥ १७ ॥ अहमेवाधुनादक्षेतायनामानुवानिका ॥ १८ ॥ अहना
 वित्तविति ॥ १९ ॥ अहंकारादिमते गतितादिताहामकतायावाहतायना ॥ २० ॥ अहमेवाधुनादक्षेतायनामानुवानिका ॥ २१ ॥ अहना

३२४

জাদিতি ॥ কনং চক্ৰিতযো প্রথমে ন্যোমুখং কনতিক যো বাজমানক্ষ্য বাজমানজাত মূলত মূলজতি হবির্দ্বিধু ববতি বহুজতি কনং কপযতে কাবন
 কপজং প্রাপযতি যথা ঘটো দেহদাদিকপণ এতচ্চাবনারমকং জামতি বন্ধুর্ন সমানিবদ্রণবী বং জপ ৪ মৃদা যতি ভিষো যতে মদা পূর্ন গির ৪ মদা পি
 ব ৪ মদুর্ন দি দমব্রা ট্রাতি সারমনি বীজ জা যেন মৃদা পযতি পুন
 ববিধানান্নমহারমকং ১ জলং পথ ৩ বিধং যম্যত ব্রম ধনা প্রতং গিবমিতি
 নুকা প্রাপ পপতি বিতি ১ ১ এযানোমিতি ১ ১ হে পবম গিবে তব চরণ
 এযানং দেবানং কনক বিষ্ণু কদানং পূজা তবতে গিবজান্নম্যিত্ত বনজা তিক্চিরা ৪ ৪ তথা হি তদেব প্রতিপাচ্যতে যত ৪ ব্রপাদা কনু হীতি ব্রপাদো ব্রহ্ম
 যন্নান পীঠং তন্ম্যানিকটে পথান্নিবর্তং এতে স্তিতা ৪ কীট ১ ১ ৪ ব্রহ্মনিত্ত কবায় বোতং মাস্তে মূকটে ঘেমা তে তথানথঃ উক্ত ৪ দেবী পূবানে বিষ্ণু পূজা মহমানি

शरणा

[illegible][illegible]

২১২

ভিমিষেনর্থঃ কপ্পে কমনকানুকায়া যোমেবনাতথীপাদকাং পূজয়ামি যোমেবনাতথীপাদকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ পবিত্রোদ্ধারাদুতিবশ্যায় আনন্দনাথসীপাদকা
 মন্বাতীপাদকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ সীপাদকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ ॥ ১১৬ ॥ যমপাপুয়ায়ত্বাশিষ্যথ্যদেবদেহাবাকু মন্বাতীপাদকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ
 নীমন্তীপ্রধাপমানাযামনিহুদভান ভদেবযধকমনমকবনুদ
 মন্বাতীপাদকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ ইমদানকমদুয়ামেবতনানুপ্রয
 দকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ ইমদানকমদুয়ামেবতনানুপ্রয
 পদেদকমদুয়ামেবতনানুপ্রয ইমদানকমদুয়ামেবতনানুপ্রয
 ভু অবিদ্যামি পদুয়ামেবতনানুপ্রয ইমদানকমদুয়ামেবতনানুপ্রয
 ১১৭ ॥ যমপাপুয়ায়ত্বাশিষ্যথ্যদেবদেহাবাকু মন্বাতীপাদকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ

জননী

পাপুভজমবানিষ্যথ্যদেবদেহাবাকু ইমদানকমদুয়ামেবতনানুপ্রয
 বহুমাগ্নিমবিস্বাঘ নিবর্তি স্মৃতি মন্বাতীপাদকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ
 বহু মন্বাতীপাদকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ ইমদানকমদুয়ামেবতনানুপ্রয
 ইতিমতি দয়াদক্ষিণা কামনা মন্বাতীপাদকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ
 কবোতীলর্থঃ উপামনারীতিপ্রোক্তে বিষ্ণুপক্ষে জননমমম্যাতীতি
 যাদিগেঘন পূজবত জননীবাচ্যতী জননীবিষ্ণুপক্ষে মন্বাতীপাদকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ
 লর্থঃ ॥ ১১৮ ॥ যমপাপুয়ায়ত্বাশিষ্যথ্যদেবদেহাবাকু ইমদানকমদুয়ামেবতনানুপ্রয
 নে মীজিহীযানিহুদভান ভদেবযধকমনমকবনুদ
 যাম্বাতীপাদকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ ইমদানকমদুয়ামেবতনানুপ্রয
 জননীবিষ্ণুপক্ষে মন্বাতীপাদকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ
 যাদিগেঘন পূজবত জননীবাচ্যতী জননীবিষ্ণুপক্ষে মন্বাতীপাদকাং পূজয়ামি ভিমিষেনর্থঃ
 লর্থঃ ১১৯ ॥ যমপাপুয়ায়ত্বাশিষ্যথ্যদেবদেহাবাকু ইমদানকমদুয়ামেবতনানুপ্রয

২১২

মোহদ্ব্যামং কুরুতঃ সর্বমোহে যবমমৃতেন্দ্রবাপবপর্যায়নিষেবে কীদৃশং পজ্যামোদামিন্যম্যয়া অমৃতেন্দ্রবাপনামবেযয়া ততিদ্রুতং মোদামিনীমনোহরং কী
 দৃশ্য ভিমিবাণামককাবাণামহানানাম্যাপবিপলিনা গকমুদনং কান্তিযম্মাসুয়া সর্বাশ্বনঃ কীদৃশং অমৃতেন্দ্রবাপনাতবনরূপং পল্লবদ্রুতমিন্দ্রবাপনতং পল্লবকীদৃ
 শং হ্রমিহিবেন প্রাপ্তসম্মতং ব্রিবেণমিহিবেনমুদ্রেন্ততন্তাপিত
 বিকৃপক্ষেপ্যর্ ১১৩৭ ১১ কসদ্রোপ্তোপা হ্রিমিস্থা দেবদেহা
 কে নোহ্য শুক্লবরমো দিত্বনং তরপয়া সময়য়া সময়থ্যাপজ্য
 পানারমর্কবা বস্তুতো নবরমকপং বসোবসতা তিষ্ঠতঃ ১ নবরমা অতিনেয়া যতাতদ্যং বসমহাত্তরং নৃতবিপেষমুদ্রা নমতিনাযকং বরেন্দ্র ননোডাণাপিপা২৪৭
 গায়াস্বত্যা নঃ তেধীনা তেধবাগী ভাদজাতি জনকজননীমতি মাতাপিতৃদ্বজং জজ্ঞজাতং কীদৃশায়া উদ্যবিবিস্বদ্বিখ দ্যায়ামনাথ্যাগী মহামহাবানন্তরং

জাহরপতিমব্রমকায় দ্যয়া কবলয়া মনাথ্যাগী বজাখ্যামিন্যঃ মিহুকোম্মীনিগাবুগে যথা পুঙ্খজাহরপদং বিনোক্তু মংগোষেন নাম্যতাপ্তব
 মম্বরমুকাগী দেবী দেবাগী জাহাদিদং মাতাপিতৃমজ্ঞাতং মাতাপিতৃবাপি প্রবেজা তে মতিমাতাগ্যেন নুনেতভাতিভাবঃ উদ্যবিবিস্বিতিদাঃ উদ্যম্
 ববজঙ্গিমা রমকং তেনা তেনা রমকবা মুনমুদ্রারমকম্বাজ
 ২০ ১১ জাহানী মুকটো দিষ্টবনাতুমদ্রি স্তোতি ১১ তেবিতি হুহিম
 স্তোমি কীদৃশং মানসোহ্রং বরনবিপেষতাব্যং তেধাপ্তোঙ্গান
 শুভাযোজিতং যস্য মুকটোহ্রায়া কুবরেন্দ্র কান্তি বিনেপনে নবনং নানারূপং হ্রদপকনং কটু মোদামীর্ষ মুনামীর্ষভান্দ্রমুরমম্বা বিবরকাম্বক ক্রিমিদ
 মিতি বিবরতা হুহিম্বাতি জনযতীতঃ ১১ বিকৃপক্ষে তেত্ব হেম ক্রিষীট হিমগিবি হিমমহাপীতনে গিবিবচনে উপনিষদ্রূপে স্বত অতিহ্র

২১৬

এবমুখ্য স্তম্ভকমেনেত্রকৃষ্ণবিশ্বকৃষ্ণদামুখ্য। গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ। বিষ্ণুপক্ষে হেডাখান গম্বু দায়িত্তেভজ্ঞানে তদুপাধি স্বাক্ষরবিত্যং গদ কামদংগুণান।
 ভিত্তিবিহীনাদিবিষ্ণুভীতন্যঃ স্তম্ভকমেনেত্রকৃষ্ণদামুখ্য। গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ। বিষ্ণুপক্ষে হেডাখান গম্বু দায়িত্তেভজ্ঞানে তদুপাধি স্বাক্ষরবিত্যং গদ কামদংগুণান।
 নিঃপাপে ন্যাসানপাধিকৃষ্ণ। নেত্রকৃষ্ণদামুখ্য। গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ। বিষ্ণুপক্ষে হেডাখান গম্বু দায়িত্তেভজ্ঞানে তদুপাধি স্বাক্ষরবিত্যং গদ কামদংগুণান।
 প্রাপ্যমি নেত্রকৃষ্ণদামুখ্য। গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ। বিষ্ণুপক্ষে হেডাখান গম্বু দায়িত্তেভজ্ঞানে তদুপাধি স্বাক্ষরবিত্যং গদ কামদংগুণান।
 ক পুপতিপদাধীনদ্বিগতি গদীবিপেধন। অম্যগতির্মবোধনপদ
 তি গদপ্ৰকামপ্ৰকৃষ্ণ। তরমাখ্যপাতিতথ্যঃ উত্তমোঃ কৃষ্ণব্রহ্ম। অনন্যস্থানে স্তম্ভকপে তদানীতিখ্য। ন্যাসান্দ্রপনয়মীতথ্যঃ ৷ অনন্যোনিঃপাপে
 জ্ঞানে দয়ামিত্যবিত্তিরাব্রহ্ম ৷ ১৫ ৷ তদুপাধিগতি ৷ হেপুপতিকৃষ্ণে প্রাপ্যজনতোঃ কথ্যতোঃ তবনয়নযোঃ নেত্রকৃষ্ণ। গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ।

ব্রহ্মা গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ। গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ। বিষ্ণুপক্ষে হেডাখান গম্বু দায়িত্তেভজ্ঞানে তদুপাধি স্বাক্ষরবিত্যং গদ কামদংগুণান।
 তি নিম্নানিতদনকৃষ্ণ। কবন্যকমনজহতি লজ্জতি নিপিত্যকো বিঘট্য উচ্চাতি প্রবিগতি ব্রহ্মবিষ্ণুহোজনদুখ্য। নিষ্কৃত্য। তিষ্ণতি নিম্নকৃষ্ণ। গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ।
 তজ্জানোকমিষ্ণু। ব্রহ্মকৃষ্ণ। বিঘট্য উচ্চাতি প্রবিগতি ব্রহ্মবিষ্ণুহোজনদুখ্য। নিষ্কৃত্য। তিষ্ণতি নিম্নকৃষ্ণ। গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ।
 ব্রহ্মকৃষ্ণ। বিঘট্য উচ্চাতি প্রবিগতি ব্রহ্মবিষ্ণুহোজনদুখ্য। নিষ্কৃত্য। তিষ্ণতি নিম্নকৃষ্ণ। গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ।
 যকৃষ্ণে অর্পতি পদাদিকাব্রহ্মব্রহ্মে যদ্বা মম্বদকৃষ্ণপয়নমু
 ব্রহ্মানন্দাশ্রয়ন। অম্যকামোদ্রকমোবতিভাষ ৷ ১৫ ৷ নিম্নকৃষ্ণ। গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ।
 নোমীতন্য। জ্যোতিষ্ণ। প্রনয়না পদদয়স্বপর্ষি। যতিপ্রাপ্য। গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ।
 কৃষ্ণ। গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ। বিষ্ণুপক্ষে হেডাখান গম্বু দায়িত্তেভজ্ঞানে তদুপাধি স্বাক্ষরবিত্যং গদ কামদংগুণান।
 যতিভাষ। পদ্যাপতিষ্ণ। তদান্যতম্যমদ্রোধন। অর্পতি যদ্বাতা
 নম্য নম্মীকৃষ্ণ। দান্য। দান্য। পদ্যাপতিষ্ণ। তদান্যতম্যমদ্রোধন। অর্পতি যদ্বাতা
 নোমীতন্য। জ্যোতিষ্ণ। প্রনয়না পদদয়স্বপর্ষি। যতিপ্রাপ্য। গতিব্রতি ব্রহ্মানন্দীকৃষ্ণ।

[illegible]

३३०

[illegible]

8

वसुधा मूर्तिश्चकटिकृष्णश्चकटिकृष्णपानसुदृढदुर्विमानाश्चेताद्विविक्ता निमुन्याश्चकटिका मानिक्यप्रथा मानिक्यमनिमानकपेन पवित्रमति श्रेष्ठकपान्द्रा वसुधापं
 विजृम्भिताश्च विष्णुपक्षे पल्लवपानकम्या तवजननं प्रादुर्भावो देवपवित्रा होम्यास्तीति जननी तस्या जननिनप्रकृतदहपवित्रा ह्या जिह्वा जननिजिह्वा विजयात जननी
 तिप्रह्वरिहिक्षो वेवमहो धनम् ॥ ३२ ॥ वनेजिह्वति
 नन्दानि गिरिम्बानि मृकटानि योषकवडिडि ॥ अमृजदमभिनिष्ठिते ॥
 मूर्तिश्चकटिकृष्णश्चकटिकृष्णपानसुदृढदुर्विमानाश्चेताद्विविक्ता निमुन्याश्चकटिका मानिक्यप्रथा मानिक्यमनिमानकपेन पवित्रमति श्रेष्ठकपान्द्रा वसुधापं
 विजृम्भिताश्च विष्णुपक्षे पल्लवपानकम्या तवजननं प्रादुर्भावो देवपवित्रा होम्यास्तीति जननी तस्या जननिनप्रकृतदहपवित्रा ह्या जिह्वा जननिजिह्वा विजयात जननी
 तिप्रह्वरिहिक्षो वेवमहो धनम् ॥ ३२ ॥ वनेजिह्वति
 नन्दानि गिरिम्बानि मृकटानि योषकवडिडि ॥ अमृजदमभिनिष्ठिते ॥
 मूर्तिश्चकटिकृष्णश्चकटिकृष्णपानसुदृढदुर्विमानाश्चेताद्विविक्ता निमुन्याश्चकटिका मानिक्यप्रथा मानिक्यमनिमानकपेन पवित्रमति श्रेष्ठकपान्द्रा वसुधापं
 विजृम्भिताश्च विष्णुपक्षे पल्लवपानकम्या तवजननं प्रादुर्भावो देवपवित्रा होम्यास्तीति जननी तस्या जननिनप्रकृतदहपवित्रा ह्या जिह्वा जननिजिह्वा विजयात जननी
 तिप्रह्वरिहिक्षो वेवमहो धनम् ॥ ३२ ॥ वनेजिह्वति
 नन्दानि गिरिम्बानि मृकटानि योषकवडिडि ॥ अमृजदमभिनिष्ठिते ॥

२।४०

उत्तातिपदद्वेदः विप्रवहमिस्त्राविस्त्रयेः अमामह यत्प्रपिपकनकपूर्ववहना प्रवोविस्त्रावुत्तातिः उदानीपेजन्त्रादि ॥६४॥
 विपथेति ॥ विपथ्यायिनया विविधं नानाप्रकारं प्रव विपामाहेशस्य प्रवदानीं निम्ननिष्ठति ॥६५॥ वीदानी नवमूर्ती निष्ठुं यथा म्यातथा तानेनोपादिपुत्रसुन
 वीनां नवज्या निहूनयति आहुदयति नवजाहेतुवदनवीनां विगनष्टि
 जिह्वीयेषमाधुवचनमर्थाविजित्माधुयेवपनपितोनिहृततृती
 नेति ॥६६॥ निविस्त्राते तवठिदुर्कं कथं किरं केन प्रकाशेन दूमठवत्
 हाते त्विहनां विना हिमानयेन वरमनतया प्रकीर्णनेन कथोपेन हनुप्रजामा ॥६७॥ निविपेन निवेन प्रववपाना ननतया मुद्राद्विवाय उदसु म्त्रोति
 नन्त्रोपनिम्य कथया हं कथानयाया ॥६८॥ म्त्रम्वरुम्य म्त्रमदपनम्य हृत्तदुमिहः ॥६९॥ विष्कृपाहं उहिनम्य हिमयानि विष्कृपाहं उहिनम्य हिमयानि विष्कृपाहं उहिनम्य हिमयानि विष्कृपाहं

नकवापुन किवनायेन म्त्रुं देवमन देनिवीपम्यमदेम्यानिगम्य प्रव तया प्रमिद्वयानम्यावाधया प्रववपाना ननतया मुद्राद्विवाय उदसु म्त्रोति ॥७०॥
 कल्याणजनकम्य म्त्रुम्य कथानयोयं कमनमह्याहाते अथवा किवनां तवम्यादिति म्त्रुम्य विदुर्मितव्यप्र कथया हं अथानुम्याववाधयावा कीदृशं
 ठिदुर्कं निविस्त्राते कथं किरं निविस्त्रातापाहृत्तुं कथं किरं मुयोपक
 उत्तातिपदद्वेदः विप्रवहमिस्त्राविस्त्रयेः अमामह यत्प्रपिपकनकपूर्ववहना प्रवोविस्त्रावुत्तातिः उदानीपेजन्त्रादि ॥७१॥
 म्त्रम्वरुम्य म्त्रम्य विविधं नानाप्रकारं प्रव विपामाहेशस्य प्रवदानीं निम्ननिष्ठति ॥७२॥ वीदानी नवमूर्ती निष्ठुं यथा म्यातथा तानेनोपादिपुत्रसुन
 वीनां नवज्या निहूनयति आहुदयति नवजाहेतुवदनवीनां विगनष्टि
 जिह्वीयेषमाधुवचनमर्थाविजित्माधुयेवपनपितोनिहृततृती
 नेति ॥७३॥ निविस्त्राते तवठिदुर्कं कथं किरं केन प्रकाशेन दूमठवत्
 हाते त्विहनां विना हिमानयेन वरमनतया प्रकीर्णनेन कथोपेन हनुप्रजामा ॥७४॥ निविपेन निवेन प्रववपाना ननतया मुद्राद्विवाय उदसु म्त्रोति
 नन्त्रोपनिम्य कथया हं कथानयाया ॥७५॥ म्त्रम्वरुम्य म्त्रमदपनम्य हृत्तदुमिहः ॥७६॥ विष्कृपाहं उहिनम्य हिमयानि विष्कृपाहं उहिनम्य हिमयानि विष्कृपाहं उहिनम्य हिमयानि विष्कृपाहं

मित्रमन्त्रे वक्रायेगवाथैर्द्वेषप्रकाशोत्तरकठनानविधमिन्नननुर्वप्रोत्तरं अथवागुर्ध्वमीशुश्यांनर्नहन्नावातं विष्णुवतीति गतया मातामोहीवातेति
 जावदापिष्टानक्षत्रादीयेनथः प्रवदमयितुमुत्तरजापेयार्कैर्देववर्जिहिगीवाहिलमनं-लघंममानं ॥३७॥ गानेवेवाति ॥ गोतिगानकमीतीतिपना
 गतिमुत्तरमवज्ञानं तस्याममकं प्रोपकं मदीति ॥ गुरुं उवाचिगीता
 श्रुत्वा नष्टप्रानाघोषितं गतिममुत्तराथप्रवक्तुमंदुष्टं तदुक्तं गतिमु
 रमम ॥ गीतप्रवक्तुमताथवक्तुं गायजिनिष्ठतडाति एतद्विपकमि
 विवाहकर्मनिद्यानकादिपेधिनवाकायसिमुनेपुनःमझिनमुष्टं उवाचिद्वर्ग्या ॥ तस्याप्रतिप्रोवा निनेका ॥ तदुक्तं द्वादिशुपकपेनवनुक्तविमर्शः ॥ गतिव
 र्नरुद्धमर्जनीनां मदीत्याउवर्तविमिति ॥ पाठानुये विवादाथं कानकायकायप्रपुनःमझिनमुष्टं तदुक्तं द्वादिशुपकपेनवनुक्तविमर्शः ॥ गतिव

३४०

प्रतिवादिनेपुनवन्ननंश्रुतीनाथावः नानाविधानांमधुवानां मज्जमधुमादिमिषुमवाववहमन्तुगोत्तरुत्तरकान्तादिगीतानां आकवर्देपविमुश्यामिक
 पालीक्याणां विमंथकानांयामाणां मज्जमाममधममामपथममामाणां मिनिधममीमानगर परममयकनहाविष्टानांयामाणां श्रुतेयोविधममुदर्थमीमान
 डार मथ्यादिच्छिद्रकपागवेनथः ॥ विष्णुपक्षे गतिममकेलदिना
 श्रुत्वा नष्टप्रानाघोषितं गतिममुत्तराथप्रवक्तुमंदुष्टं तदुक्तं गतिमु
 रमम ॥ गीतप्रवक्तुमताथवक्तुं गायजिनिष्ठतडाति एतद्विपकमि
 विवाहकर्मनिद्यानकादिपेधिनवाकायसिमुनेपुनःमझिनमुष्टं उवाचिद्वर्ग्या ॥ तस्याप्रतिप्रोवा निनेका ॥ तदुक्तं द्वादिशुपकपेनवनुक्तविमर्शः ॥ गतिव
 र्नरुद्धमर्जनीनां मदीत्याउवर्तविमिति ॥ पाठानुये विवादाथं कानकायकायप्रपुनःमझिनमुष्टं तदुक्तं द्वादिशुपकपेनवनुक्तविमर्शः ॥ गतिव

३४३

যেমন্তেই স্বর্গের মরদনে উপায়ে সুখের মরদনোপায়ে ৭৪ তথা বিম্বাধবচিভিঃ অধববিস্মকানিভিঃ অনুমুখ্যে গবনিগাঁ ভিন্নবর্জীভূতাং কামির প্রভায়ে
 ননোহিতবর্জেন ঘামিণাং মর্জিতাং প্রবজিযনো মর্জিতাং ওবাঁ কীতিমিহ তথাচ মজামুবমাধনেনযঃ নিবহ্যপ্রভাপো যাচকীতি স্যামিহ তবদ্ধতাভোগো
 কিত্তীভিঃ ৭ বিম্বপক্ষে হুপ্রমুজাগ্নেবজাগ্নেনকরা
 দিটীকাভিঃ স্বর্গপদভাঃ ৭৭ ত
 মারসুতঃ মবসুতীমির্ষ্বী পযঃ পাবাবাঃ ৭৮ ফ্লিহমমুদঃ পবি
 ৭৯ প্রামাঃ প্রোচানাং কবীনাং মখে কমনীযউরদ্ধাঃ ৮০ কবযিতাঃ কবিবজনিজাতভাঃ ৮১ অশপুষ্ক
 ৮২ মচনিবদিতো নুবীতে মাতবপানীযানঘনার্থাং গায়াঃ ৮৩ মমামবযক্ষঃ পাঙ্গীনে কথযাবদনামিতি ৮৪ ম্মিন্বেকানে প্রাকাশো দিবেনমহাভূতা

निर्यातिकारुणा मृतनमाना मृतमामना दहनुहि मृतदरविमहाकरिज्जतताति किमुदनी ॥ विष्णुपक्षेणु वृषभनिधुवकन्ये वरानधवकन्यायाजः
 कामोवा विष्णुयन्मामनतथा एडकमादिदिनोपः तवद्वयतः ददये दयारति कवनां गानिनि आदतं मुन्यं मुनोहि हारुपं वसु मावसुतः प
 दपपावपावः कमनीयः पवित्रतीतिमन्ये यस्मृत्यं हारुपं वसुत
 दयादतं मुन्यं तवद्वयतः तव तव मावसुतः पयः पावपावः हेति
 कन्या यदामाह प्रोक्तानां कवीनां जगत् प्रजाता प्रजापति प्रजानि
 यद्विनावतिः निरको प्रजापतिमनुदेष्टु प्रवनीतेन ह्यपुनवपुषा शरीरेण मनमिजः कन्दपं प्रवपुषा यमा जीवेन मजीमवमि मृतममो जातः तिमः
 तद्वान्नाजीमवमः भूमनतिका नमः भुवः तद्वान्नाजीमवमः भूमनतिका नमः भुवः तद्वान्नाजीमवमः भूमनतिका नमः भुवः

২৪৫

মন্দং মন্দং হৃদয়ং হৃদয়ং তিষ্ঠীতি তিষ্ঠীতি তেন মনো মনো অমৃতাদ্যাঃ তস্যামৃতমিতি তদ্যমৃতং ৷ বিষ্ণুপক্ষে হৃদয়েন তনয়ে তেন তনয়া যাতো
 নৃক্ষীওর্ষপতিত্বমাদিত্যঃ যত্র পৈতন্যশ্যামোনাফম্যাদানৃক্ষীওর্ষমত্যা উভয়াওর্ষমদ্যাযিত্রাও অর্ধনক্ষত্রবেগমন্দরীণা পানম্যবাস্তনভি
 প্রাণেন মুনতটে বেনোলাদিমুনতটে যিত্রাও তে যম্যামো মুনতটোণা
 বি মহামুনক্ষণাদয় দ্বিহাও যোরনমদাফনা গিববিষয়কা
 ক্ষণানম্য তীনাও কক্ষণম্যাদি দ্বিহাও ভদনুগীনো দোমুনৈ বা
 মুনতিলো কনকজানতা তবুতবা কনদর্পন অবনামীউদবৎ তদ্বীভাও বাহিও বিবিনবনীযানুতি তিষ্ঠুতির্মিথ্যবেথাতি বেবনবনীমীভিকাভিষ্কুতি
 নৃতিভিষ্কুতির্মিথ্যবেথাতি বেবনবনীমীভিকাভিষ্কুতি
 ৷ বিষ্ণুপক্ষে কান্তাও দলৌ কনককনগাভৌ উমতবীজপদ্বিষ্কুতি মদত্বকনকজানতা জীবেনতব উদবীতি

৪৫ পরমমননিদ্রা মনকপপ্রকারেণ বিবিনবনীযানুতিবিষয় মন্দং মনমীতি স্পষ্ট ষাও মিন্যঃ কিমর্থঃ তদ্বীও তীণাও তবুতবা তবুতবা গবীর্ষবা যযোয়ম্য
 মনুতন অবনামী তযেবমবন্ধ অদমানগাও উদবৎ কীটুপ দেবোদুহা অমিনবনীতি দেবি জানুতনপ্ৰমকমিদপদ অথবা তবুতবা গবীর্ষবা পনেন প্রফলো অবনামী মন্দ
 দেবি মকনদেবা যযমিন্যঃ ৷ ৭৭ ৷ ৭৮ ৷ ৭৯ ৷ ৮০ ৷ ৮১ ৷ ৮২ ৷ ৮৩ ৷ ৮৪ ৷ ৮৫ ৷ ৮৬ ৷ ৮৭ ৷ ৮৮ ৷ ৮৯ ৷ ৯০ ৷ ৯১ ৷ ৯২ ৷ ৯৩ ৷ ৯৪ ৷ ৯৫ ৷ ৯৬ ৷ ৯৭ ৷ ৯৮ ৷ ৯৯ ৷ ১০০ ৷
 কদ্বি বিম্বাও অহিও পৃথক্কল হৃদয়তরল হৃদয়কপেণ বিবাহম
 যাহবৎ জেদিমবও আতাও তে মুনতটোণা প্রাও জহানজাবও প্রা
 মুনতটোণা কনকজানতা অবনামী উদবৎ তদ্বীভাও বাহিও বিবিনবনীযানুতি তিষ্ঠুতির্মিথ্যবেথাতি বেবনবনীমীভিকাভিষ্কুতি
 ৷ বিষ্ণুপক্ষে কান্তাও দলৌ কনককনগাভৌ উমতবীজপদ্বিষ্কুতি মদত্বকনকজানতা জীবেনতব উদবীতি

२४८

आथाननुर्वेनयेन तज्जाहतेन नमिर्त्तुं यं गणानविद्वान्कीर्तयेन चिदाह्वयकानमात्रं दहनं कर्तुं गिरनानां नोचनाननमं पादितं अनुपपत्तं दृष्ट्वा उन्मृति
 यता हवींश्चर्त्तुः उन्मृतिवृत्तिपाठे आरिष्यतुवता प्रह्वैवैव्यानिष्ठययिष्ठितनथः विष्णुपञ्चे दहनकामने ह्योपवनाङ्कुरे नमिर्त्तुना नवष्टुर्भाति न
 नो विष्णुमुमतेति उपमपर्वीति ननाठे। तर्कक्रीमुम्यात्तुर्विदि
 तं अनुपपत्तमपमानकपं उन्मृतिवृत्ता तेषु गणानविद्वान् ह्युणा
 किनिकिर्त्तगाङ्कितं ननाठे उन्मृतिवृत्तं आतर्त्तुमाश्लिष्य
 तीलादिवृत्तनेनापवाधकातिं ज्ञात्वा प्रथाननुर्वे प्रथाननुर्वे येनयेन मदीयकाठिनदयातिहातेन अर्चयन्तकामनमतिकामनं ह्युत्तमिति विमदाविष्ट
 कायेन नमिर्त्तुं नममिनथः १ प्रह्वैवैव्यानिष्ठययिष्ठितनथः विष्णुपञ्चे दहनकामने ह्योपवनाङ्कुरे नमिर्त्तुना नवष्टुर्भाति न

ह्युत्तमिति विमदाविष्ट कायेन नमिर्त्तुं नममिनथः १ प्रह्वैवैव्यानिष्ठययिष्ठितनथः विष्णुपञ्चे दहनकामने ह्योपवनाङ्कुरे नमिर्त्तुना नवष्टुर्भाति न
 आथानविष्णुदिमात्रं गणानवार्त्तनमयानिर्द्दिनीयतात्तुनिदामकयोः अतस्मिन्नेन कुदेनातिहो वेङ्कपे वृत्त्यामह्वयविष्णुमिष्ट
 नायातमदाठे उतागावतामवृत्तमानमदा कठो वमदीयेवृत्तमिति तपोह्वैवैव्यानिष्ठययिष्ठितनथः विष्णुपञ्चे दहनकामने ह्योपवनाङ्कुरे नमिर्त्तुना नवष्टुर्भाति न
 तौतिह्वैवैव्यानिष्ठययिष्ठितनथः विष्णुपञ्चे दहनकामने ह्योपवनाङ्कुरे नमिर्त्तुना नवष्टुर्भाति न
 कुनीपदं नुनं विपदामपदमनुनं कठिनयाकमठीकद्वीति
 म्यातिकेननवादिनथः प्रथामनवेठ उपमनकाने विष्णु
 येन हाङ्कयामादाय ह्यदि विष्णुपञ्चे दहनकामने ह्योपवनाङ्कुरे नमिर्त्तुना नवष्टुर्भाति न
 पदविष्णुपञ्चे दहनकामने ह्योपवनाङ्कुरे नमिर्त्तुना नवष्टुर्भाति न

श्रीगुरु

[illegible][illegible]

३७४

[illegible]

মিতামনা প্রতিদিন প্রতিতিথৌ বিশ্বদ্বিধাভ্যন্তরস্থতে বদন্তমর্থং যথাহুয়ো নিরুয়োতি নিয়োজয়তি অযমুখঃ পথঃ পথঃ মবয়াক্রিফাণা ম্যায় পন
ইকামেখাদিবিদিতানুনা নিনান্য মন্তে বিমর্শে মনদ্যাপ্রপূজনং পুনর্মন্তে অহনোমহিনোমজমেনং শুদ্ধদ্বন্দ্বদ্ব্যয়াধকা মেখদ্যাদিবিদিতানুনা শুদ্ধি-
শ্রাবককথাং প্রপূজনমবেতি তদানীপক্ষেইহঃ ৷৷৫৬৷ ৷৷মুদেই
যনিমাঘাতিসহ বনদেবতা ভিত্তিতোনিষেহী মেহমানী স্বামহমি
তবদে অনিমাঘাতিঃ নিষেহে মেবিত্তাতিমপ্তেধনং বিনয়নম্য
প্রত্যকাতামি নীবিজেনবিধিঃ বিবচয়তীতি হিমাশ্রয়ী নাপ্তম্মিতার্থঃ তদুৎকাদিমতে হুদেহোনিহতজাতিঃ ক্রিয়তেবানমাদিউঃ ৷ আহুতীস্বামহমিতিভার্য
স্বারমনভবেদিতি দত্তাভোয়োপাহ অহনাকবনাতরজিতাফনী পুতপাণা দ্বিঃ প্রপূজাণা ৷ অনিমাতিবিবচুতাময়ুষেবহমিলেবিত্তারয়েতদানীমিতি ৷ বিষ্ণুপ

২।৩৭

বিশ্বপক্ষে ভেমহামায়ে মহামায়াডানুর্মমীস্থিত্যেয্যোতর্থা। এতৎকথা দিতিস্থানোপপদ্যং নবমুর্জা নবমীঃ ত্রয়ানীঃ চাণামহিমোহদন্তি স্ত্রীকপোনিহমবেতর্থাঃ
বহুগালাকাপিহরধিগামনির্মমীমমহিমা। তবীয়া জমরম্প্রমুখপা বহুতাবিত্যাবমুখ্যং বিশ্বজাতিঃ প্রময়মি কীটর্গী-জাতিঃ পর্বৎকমেবমহিঘোরাইন আধাঃ বোপা
দানকাবনং যচ্চতঃ পর্বৎফমহিসি মহিঘরাইনহেনতম্য মীমাঃ বোপব
হুতজ্ঞান হুতজ্ঞপ্ত মহমুলা গম্পদাদিকপয়া বিদ্যমানহুত্যা ধনমহু
পল্লিকপমন্ বহুতান ষোভনেন বপুয়া শবীবেতৎ ষ বহুতঃ কামপারত্যাঃ পা
কামমুর্জা বহুতমানঃ ব কয়িতো হুতজ্ঞপ্তপওপা পানী প্রকনবাদীনা যতিকবমমুর্জোযেনমত্যা যদা কানিতপপূর্না পাণাঃ চুনাগকীদয়ঃ তর্থাঃ যতিকযো
যেনমত্যা হুতজ্ঞমন্ পর্বৎফমহিসি পর্বৎফনামকীমবস্যা বেজাতিঃ তেঃ কয়তি প্রাদাদযতীকথঃ ১৩৬৬ কনদুতামিনো চুনাগকীতর্য়নজ্ঞা কনু পাতের

পথমী ১৩৬৬ জাতিধনীতঃ প্রকৌপাণাঃ প্রকৌর্জাঃ ১৩৬৬ এতৎপালা দিবহিতো নিধিকারীজিতেন্দ্রিয়ঃ ১৩৬৬ বিশ্বচাণ্ডিমহাজ্ঞানসমেন প্রকৌ
পুতজাতিঃ বিশ্বপক্ষে ইবিবিক্তপোষমনারী ১৩৬৬ ১৩৬৬ নিধেগাতি ১৩৬৬ নিধীযতে জাদ্যামিতি নিধিঃ তেনজাদ্যাদ্যাবহুতেজাতর্থাঃ নিলম্মেবে নি
নোল্লমহুদনে জীবানী মিথ্যা হুতজ্ঞাদ্যাবোপনিবীজ্ঞনং মি
পথমববিবক্ক কথামেকহুয়মিনতজ্ঞাহ নিববযিগুনে
নব যদিভজাত্রয়হায শবীবিপবিগাহুমুরকথ্য কপ্তজাজকসি
নকনদানদক্ষে তহিকম্পবহুতাইমিনতজ্ঞাহ নিয়মপবতিতেনিনযে ধানপূজাদিনিয়মপবতিতুমাংস্তুতে তহিনিয়মপাবতক্যমেবাঃ
মিনতজ্ঞাহ নিয়নানিব্বজ্ঞে নিয়মাদিজ্ঞাহুতুপনপেক্ষে এতৎখ্যামযিকিপ্রমাণমিনতজ্ঞাহ নিখিননিমোস্তাঃ সকনবেদান্তা উপনিষত্যাঃ

